महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

कहानीकार नवनीत मिश्र का कहानी पाठ
हिंदी विश्वविद्यालय में आखर अद्यतन का आयोजन

वर्धा दि. 22 अप्रैल 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आखर अद्यतन के अंतर्गत आकाशवाणी के मशहूर समाचार वाचक एवं कहानीकार नवनीत मिश्र के कहानीपाठ का आयोजन हबीब तनवीर सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने की। इस अवसर पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र एवं कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल भी मंचस्थ थे।

नवनीत मिश्र ने 'व्यक्तिगत डायरी : कृपया इसे न पढ़े' नामक कहानी का पाठ किया। उन्होंने अपनी जादुई आवाज के अंदाज में कहानी को पढ़ते हुए श्रोताओं को संवेदना की उंचाई का एहसास कराया। उनकी कहानी पर टिप्पणी करते हुए कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने कहा कि नवनीत मिश्र की कहानी प्रयोग की दृष्टि से उल्लेखनीय होने के साथ विमर्शों आदि से मुक्त जीवन की कहानी है। उनकी कहानी में समृद्ध नारी की झलक दिखाई पड़ती है, वह जीवन मूल्यों को स्थापित करती है। उन्होंने कहा कि कहानी साहित्य की एक मुख्य विधा है और इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से हमें साहित्य के वैभव को बढ़ाना चाहिए।

प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहानी पर अपने भाव व्यक्त करते हुए कहा कि रचनाकार भीतर के अभाव को भाव में बदलने की चेष्टा करता है। कहानी की विशेषता यह है कि इसमें पाठक कहानी का पात्र बनकर उसका सुख और दुख भी भोगता है। प्रो. सूरज पालीवाल ने कहा कि नवनीत मिश्र की कहानी सुख से शुरू होकर कारूण्य में समाप्त होती है। इस अवसर पर प्रो. के. के. सिंह, डॉ. अनवर अहमद सिद्दीकी, श्री राकेश मिश्र, डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, ऋषभ मिश्र तथा शोधार्थी अभिषेक त्रिपाठी ने भी कहानी पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन आखर अद्यतन के संयोजक डॉ. रूपेश कुमार सिंह ने किया जिसमें बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।